विघ्नहर

हिंदी व्याकरण

बाल जिज्ञासा — शिक्षा की सबसे सुंदर प्रेरणा

"मासूम आँखों में ज्ञान का उजाला और नन्हे हाथों में भविष्य की कलम है। यह चित्र केवल बाल्यावस्था की सादगी नहीं, बल्कि हिन्दी भाषा की जीवंतता और आने वाली पीढ़ी की सीखने की भावना का प्रतीक है। हिन्दी व्याकरण की यह कृति उस पवित्र आरंभ की गवाही देती है, जहाँ शिक्षा और संस्कार का संगम होता है।"

विघ्नहर

हिंदी व्याकरण

लेखक

सोहन लाल भाम्भू

(राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान-2024)

हिन्दी व्याकरण (व्याकरण, साहित्य, काव्यशास्त्र, शिक्षण विधि विशेषज्ञ)

उपप्राचार्य

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय

पीरकामड़िया (हनुमानगढ) राजस्थान।

2025

Siddhi Vinayak Publications

प्रकाशक

सिद्धि विनायक पब्लिकेशन्स
कुलचन्द्र, हनुमानगढ (राजस्थान) 335526
94611-09470, 83063-09470
publicationssiddhivinayak@gmail.com

ISBN : 978-81-982071-5-9

© लेखक एवं प्रकाशक

प्रथम संस्करण (2025)

मूल्य : ₹ 410.00

शब्द संयोजक एवं डिजाइन : कमल जीत सिंह (तकनीकी सहायक)

प्रबन्धनः डॉ. दिनेश कुमार जाखड़
सहायक आचार्य (भूगोल विभाग)
V/PO: कुलचन्द्र, हनुमानगढ (राजस्थान)

मुद्रक : Siddhi Vinayak Publications
(Printed Through: Ican Technosolutions)

वैधानिक चेतावनी

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किए गए हैं। फिर भी, कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, लेखक या मुद्रक, किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये जिम्मेदार नहीं है।
- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखक द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जायेगा। किसी भी प्रकार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र हनुमानगढ, राजस्थान होगा।
- पुस्तक में प्रकाशित तथ्यों अथवा विवरण में रह गयी किसी भी कमी अथवा त्रुटि के कारित क्षति अथवा संताप के लिए लेखक, प्रकाशक, मुद्रक अथवा विक्रेता का कोई दायित्व नहीं है।
- इस पुस्तक का प्रकाशक एवं लेखक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनः प्रकाशन/फोटो कॉपी/स्कैन इत्यादि माध्यमों से पुनर्मुद्रण करना कॉपीराइट अधिनियम के अनुसार दंडनीय अपराध है।

अनुक्रमणिका (Index)

संख्या	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
	प्रेरणा की वे पंक्तियाँ...	(viii) – (xii)
	प्राक्कथन	(xiii) – (xiv)
1	**वर्ण**	**1 – 14**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	8 – 14
2	**संधि**	**15 – 44**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	41 – 44
3	**उपसर्ग**	**45 – 57**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	54 – 57
4	**प्रत्यय**	**58 – 68**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	67 – 68
5	**शब्द शुद्धि**	**69 – 80**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	76 – 80
6	**कारक**	**81 – 91**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	87 – 91
7	**समास**	**92 – 112**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	109 – 112
8	**संज्ञा**	**113 – 122**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	117 – 122
9	**सर्वनाम**	**123 – 132**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	128 – 132

10	**विशेषण**	**133 – 142**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	139 – 142
11	**क्रिया**	**143 – 153**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	149 – 153
12	**क्रिया विशेषण**	**154 – 157**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	156 – 157
13	**शब्द**	**158 – 166**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	164 – 166
14	**काल**	**167 – 171**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	170 – 171
15	**चिह्न**	**172 – 177**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	176 – 177
16	**वाक्य**	**178 – 183**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	182 – 183
17	**वाक्य शुद्धि**	**184 – 197**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	192 – 197
18	**वाच्य**	**198 – 199**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	199 – 199
19	**गद्यांश व पद्यांश**	**200 – 216**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	200 – 216
20	**वृत्ति (Mood)**	**217 – 218**
21	**पक्ष**	**219 – 220**

22	**पत्र एवं कार्यालय पत्र**	**221 – 235**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	226 – 234
23	**पर्यायवाची**	**236 – 248**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	245 – 248
24	**विलोम शब्द**	**249 – 258**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	257 – 258
25	**युग्म शब्द**	**259 – 268**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	267 – 268
26	**एक वाक्यांश के लिए एक शब्द**	**269 – 275**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	274 – 275
27	**मुहावरे**	**276 – 281**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	281 – 281
28	**लोकोक्ति**	**282 – 288**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	288 – 288
29	**पारिभाषिक शब्दावली**	**289 – 292**
30	**भाषा**	**293 – 307**
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	305 – 307

प्रेरणा की वे पंक्तियाँ जो हृदय में दीप जला जाएँ...

श्री सोहन भांभू सर की हिन्दी व्याकरण पुस्तक सरल, सहज और विद्यार्थियों की समझ के अनुरूप लिखी गई है।

कठिन व्याकरणिक नियमों को भी सरल भाषा और तालिकाओं के माध्यम से समझाया गया है।

(डॉ. सन्तोष राजपुरोहित)

Principal
Ryan College For Higher Education
4 JRK, Jandawali (Distt. [illegible])

भाम्भू सर द्वारा रचित हिन्दी व्याकरण की पुस्तक विद्यार्थियों को सरल तरीके से भाषा सीखने में पारस सिद्ध होगी।

सुमित्रा
निदेशक
भाम्भू सर क्लासेज

भाम्भू सर द्वारा लिखित व्याकरण प्रमाणिक है व मैंने प्रधानाचार्य की तैयारी के समय नोट्स पढ़े, इनकी अनवरत मेहनत के कारण इतनी सरल भाषा में पुस्तक निर्मित हुई है।

संदीप
प्रधानाचार्य, रा. बा. उ. मा. वि. मिर्जावालीमेर

मैं किरणलता और प्रधानाचार्य राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पक्कासारना में प्रधानाचार्य पद पर कार्यरत हूँ। श्री सोहन भांभू जी के मार्गदर्शन में ही 2018 में व्याख्याता (हिन्दी) के पद पर मेरा चयन हुआ था। अतः मेरी इस सफलता का श्रेय मेरे गुरु सोहन भांभू को ही जाता है। मैं अपनी शुभकामनाएँ उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु सादर अर्पित करती हूँ।

[illegible]
प्रधानाचार्य
रा. बा. उ. मा. वि.
पक्कासारना

मेरी ग्राम पंचायत पीरकामड़िया में श्री सोहन भांभू जी पिछले 10 वर्षों से रा.उ.मा.वि. में सेवा दे रहे जिसका हमारे गांव व क्षेत्र के बच्चों को लाभ हुआ है हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि हमारे गांव में भांभू सर ने बच्चों का भविष्य सुधारा है इनकी यह पुस्तक बच्चों के लिए मील का पत्थर साबित होगी मैं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ

कलावती
कलावती
प्रशासक
ग्राम पंचायत पीरकामड़िया
पं.स. टिब्बी (हनु.)

"शब्दों का सही प्रयोग ही विचारों की शक्ति है."

-Sandeep Jyani CIVIL

भम्भू सर की नवीन हिंदी व्याकरण पुस्तक— ज्ञान, स्पष्टता और अभिव्यक्ति का संगम। यह पुस्तक हिंदी भाषा के विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए सर्वोत्तम संदर्भ ग्रंथ के रूप में अत्यंत अनुशंसित है।

मैंने कक्षा 10वीं में भाम्भू सर द्वारा रचित हिन्दी व्याकरण के Notes पढ़े थे। जिससे मैंने 100 में से 93 अंक प्राप्त किए।

[illegible]
श्रेय भाम्भू
(विद्यार्थी).

"हिन्दी व्याकरण पर आपका यह उत्कृष्ट कार्य विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। ज्ञान, परिश्रम और समर्पण से सृजित यह कृति हिन्दी शिक्षण जगत को नई दिशा प्रदान करेगी। आपकी लेखन-यात्रा निरंतर प्रगति करे — यही हार्दिक शुभेच्छा और मंगलकामना।"

डॉ. दिनेश जाखड़

प्राचार्य
स्वामी विवेकानन्द कॉलेज, टिब्बी।

भांभू सर हिन्दी व्याकरण पुस्तक प्रतियोगी परीक्षा में विद्यार्थियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी

प्रधानाचार्य

'भांभू सर' द्वारा रचित व्याकरण की पुस्तक का मैंने अध्ययन किया है। ये पुस्तक परीक्षार्थियो के लिए "मील का पत्थर" साबित होगी।

सहायक अध्यापक

श्री सोहनलाल भांभू जी जिन्होने अपने हिन्दी व्याकरण पढाने के प्रभावशाली तरीके से सैकड़ों विद्यार्थियो का मार्गदर्शन कर उन्हे उनके लक्ष्य तक पहुंचाया है।

उम्मीद करता हूँ उनकी हिन्दी व्याकरण पर लिखी हुई यह पुस्तक विद्यार्थियो के लिए रामबाण का कार्य करेगी।

मैं श्री सोहन भांभू जी के जीवन के इस नये कार्य क्षैत्र हेतु उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

Director
CHANAKYA CLASSES
Hanumangarh Jn. 335512 (Raj.)

निदेशक
चाणक्य क्लासेज
हनुमानगढ़।

भाम्भू जी सर सरल, विनम्र और मददगार स्वभाव के आदर्श शिक्षक हैं। आप विद्यार्थियों को सदैव प्रेरित करते हैं और आगे बढ़ने की राह दिखाते हैं। आप उपप्राचार्य व व्याख्याता के रूप में आपका योगदान अतुलनीय है। आपकी पुस्तक समाज के लिए प्रेरणा बनेगी।

सुनील खण्डेलवाल

"महेन्द्र कुमार व्याख्याता [हिन्दी साहित्य] → आप सभी हिन्दी विधार्थियों को यह जानकर हर्ष की अनुभूति होगी कि गुरुदेव "भाम्भू सर" की "हिन्दी व्याकरण" नामक पुस्तक आपके समक्ष उपलब्ध होने जा रही है। मैंने "भाम्भू सर" के मार्गदर्शन में सर्वप्रथम वरिष्ठ अध्यापक हिन्दी विषय से 2018 मे चयन प्राप्त किया, तथा इसके बाद व्याख्याता भर्ती परीक्षा-2022 हिन्दी साहित्य से सफलता हासिल की। "हिन्दी व्याकरण" पुस्तक का प्रथम संस्करण आप सभी हिन्दी व्याकरण के विधार्थियो को केवल पढने के लिए ही नही, बल्कि सीखने का अवसर प्रदान करेगी तथा निश्चित रूप से सफलता के मार्ग प्रशस्त करेगी। धन्यवाद"

महेन्द्र
प्राध्यापक
रा.उ.मा.वि. [illegible]
जिला-भीलवाड़ा

भांभू सर द्वारा रचित हिन्दी व्याकरण पुस्तक सरल सुबोध तथा सीखने की नव पद्धति पर आधारित है।

रोहिताश
वरिष्ठ शिक्षक

भाम्भू सर द्वारा रचित व्याकरण की पुस्तक का मैंने 'गहनता' से अध्ययन किया जो की प्रतियोगी परीक्षा में विद्यार्थियों के लिये 'नील मणि' का काम करके अवश्य ही रामसेतु के समान भवसागर से पार करवाकर सफलता दिलवायेगी।

मधु बाला
वरिष्ठ अध्यापक

भाम्भू सर द्वारा रचित 'व्याकरण' की पुस्तक का मैंने बहुत अच्छे से अध्ययन किया है। यह पुस्तक प्रतियोगी परीक्षा में परीक्षार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट स्रोत साबित होगी।

मंजू
वरिष्ठ अध्यापक

भाम्भू सर की हिन्दी व्याकरण पुस्तक अध्ययन में रुचि उत्पन्न करती है और यह पढ़ने के लिए नहीं सीखने के लिए है।

लोकेश चारण
प्रधानाध्यापक शिक्षक

हिन्दी व्याकरण की यह पुस्तक विद्यार्थियों को नया मार्गदर्शन देगी

Amit
अमित भाम्भू

मैंने भाम्भू सर की 'हिन्दी व्याकरण' पुस्तक की प्रूफ रिडिंग की है जो कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने हेतु अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

ममता रानी
(व्याख्याता हिन्दी)

'भाम्भू सर' द्वारा लिखित हिन्दी व्याकरण की पुस्तक का विमोचन किया जा रहा है ~~जो आप~~ यह पुस्तक NCERT व RBSE बोर्ड पर आधारित तथा विगत परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों को ध्यान में रखकर बनाई गई है जो कि आपकी आगामी भर्ती परीक्षाओं REET (Mains), SI व VDO में आपके लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी।

धन्यवाद

इन्द्रजीत
अध्यापक (PRT)

मैंने भाम्भू सर हिन्दी व्याकरण पुस्तक का मुद्रण किया। मैं एक विद्यार्थी हूं। यह पुस्तक प्रतियोगी परीक्षाओं में चमत्कारी सिद्ध होगी।

Ganga Singh
गंगा सिंह (टाइपिस्ट)

भाम्भू सर के द्वारा रचित हिन्दी व्याकरण की यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए संजीवनी बूटी का कार्य करेगी।

Dheeraj Godara
धीरज गोदारा
(प्रतियोगी परीक्षा विद्यार्थी)

मैं किरणजीत कौर प्रधानाचार्य राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पक्कासारणा मे प्रधानाचार्य पद पर कार्यरत हूँ। श्री सोहन भांभू जी के मार्गदर्शन मे ही 2015 मे व्याख्याता (हिन्दी) के पद पर मेरा चयन हुआ था। अतः मेरी इस सफलता का श्रेय मेरे गुरु सोहन भांभू को ही जाता है मैं अपनी शुभकामनाएं उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु सादर अर्पित करती हूँ।

प्रधानाचार्य
रा० बा० उ० मा० वि०
पक्कासारणा

मैंने श्री सोहनलाल भाम्भू के मार्गदर्शन में हिन्दी व्याख्याता की तैयारी की तथा इन्ही के कारण मैं आज हिन्दी व्याख्याता के पद पर कार्यरत हूँ। मैं इनका धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय

भाँभू सर हिन्दी व्याकरण बहुत ही सरल और सीखने योग्य है

ऋषि
UDC

मैं जगतार सिंह वर्तमान में व्याख्याता हिंदी साहित्य के पद पर (रा. उ. मा. वि. नवां हनुमानगढ़) में कार्यरत हूँ मैंने सोहन जी भांभू सर से मार्गदर्शन लिया जिस के बाद मेरा चयन हिंदी साहित्य के व्याख्याता पद पर हुआ। सर केवल पढ़ाते ही नहीं हैं बल्कि अपने कहां गलती करते हैं उस को बड़े ही अच्छे तरीके से समझाते हैं जिस से की कठीन से कठीन टॉपिक हमें आसानी से समझ आ जाता है। भांभू जी सर द्वारा तैयार की गई व्याकरण की बुक आपके मार्गदर्शन में 'मील का पत्थर' साबित होगी। भांभू जी सर द्वारा दिए गए निशुल्क मार्गदर्शन से मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। सर द्वारा दिए गए निशुल्क मार्गदर्शन द्वारा आज मैं अपने उच्च शिखर पर पहुंचा हूँ।

सधन्यवाद।

01/10/2025

व्याख्याता
रा.उ.मा.वि.नवां
हनुमानगढ

मैं भावना हिंदी व्याख्याता हूं। मैंने भाम्भू सर से मार्गदर्शन लिया। जिसके बाद मेरा चयन हिंदी व्याख्याता पद पर हुआ। सर ने मुझे बिना किसी शुल्क लिए मुझे मार्गदर्शन दिया। मैं इनके प्रति आभार व्यक्त करती हूं। जब जीवन में बहुत सारी परेशानी थी। तब सर का मार्गदर्शन मिला।

भावना
व्याख्याता
शहीद रामेश्वर लाल रा०उ०मा०वि०
राजपुरा (46 आर०बी०)

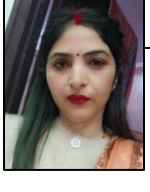

यह पुस्तक ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ मार्गदर्शक भी है। यह हर उस विद्यार्थी को पढ़नी चाहिए, जो आज के समय में परीक्षा के स्तर को जानकर उसके अनुकूल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है।

संजय कुमार
(प्रतियोगी परीक्षार्थी)

माननीय श्री सोहन भाम्भू सर जी

सादर प्रणाम।

मैं गुलाबवती पुत्री श्री पतराम व्याख्याता (हिन्दी), रा० उ० मा० विद्यालय, तोलासर में कार्यरत हूँ। मैं अपने पूज्य गुरुवर भाम्भू सर के चरणों में कोटि-कोटि नमन करती हूँ, जिनकी छत्रछाया और मार्गदर्शन के बिना शायद मैं कभी 'व्याख्याता' पद तक नहीं पहुँच पाती।

आपने मुझे निःशुल्क और निस्वार्थ भाव से शिक्षा दी, मेरे संकोच को आत्मविश्वास में बदला, और अंधेरे में दीपक बनकर मुझे सही दिशा दिखाई। जब साधन नहीं थे, तब आपने मेरा संबल बनकर न केवल मुझे पढ़ाया, बल्कि मुझे यह भी सिखाया कि संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता।

आपकी विद्वता, धैर्य और सेवा-भावना ने मेरे जीवन को वह ऊँचाई दी जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। आप जैसे गुरू विरले होते हैं - जिनका कर्म ही उनकी पूजा है और जिनकी वाणी ही प्रेरणा का स्त्रोत होती है।

मैं आज जहाँ भी हूँ, जो भी हूँ - वह सब आपके आशीर्वाद और तपस्या का प्रतिफल है। आपके चरणों में सिर झुकाकर मैं सदा-सदा के लिए आपकी ऋणी रहूँगी।

आपकी शिष्या
गुलाबवती
(व्याख्या - हिन्दी) रा० उ० मा० वि०, तोलासर

गुलाबवती
प्राध्यापक
रा.उ.मा.वि. तोलासर
सरदारशहर (चूरू)

सुनील कुमार
अध्यापक L-II

"कोई या प्रतियोगी परीक्षा - हिंदी की नहीं बात, भाम्भू सर की व्याकरण पुस्तक है हर सवाल का सटीक जवाब।"

सुनील

यह पुस्तक समस्त प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए बहुत रामबाण पुस्तक है।

सुशील कुमार
(प्रथम श्रेणी व्याख्याता परीक्षा प्रतियोगी)

माननीय श्री सोहन भाम्भू सर जी
सादर प्रणाम

मैं मन्जु पुत्री श्री जगदीश प्रसाद वरिष्ठ अध्यापक (हिन्दी) रा.उ.मा.वि. जैतपुर में कार्यरत हुँ।

मैं अपने गुरुवर के चरणों में नमन करती हुँ जिनके मार्गदर्शन से आज मैं इस पद पर हुँ। आपने मुझे निःशुल्क व निःस्वार्थ भाव से शिक्षा दी। आप मेरा संबल बनकर न केवल मुझे पढ़ाया बल्कि संघर्ष के पद पर तत्पर रहना भी सिखाया।

मैं आज जो भी हुँ, आपके ही आशिर्वाद और मेहनत का प्रतिफल हुँ।

आपकी शिष्या
मन्जु
रा.उ.मा.वि. जैतपुर

प्राक्कथन

- यह पुस्तक राजस्थान के प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे व्याख्या भर्ती परीक्षा, वरिष्ठ शिक्षक भर्ती परीक्षा, रीट भर्ती परीक्षा, सब-इस्पेंक्टर भर्ती परीक्षा, पटवारी, ग्रामसेवक, आरएएस, आरजेएस, एलडीसी, यूडीसी भर्ती परीक्षा, राजस्थान उच्च न्यायालय , राजस्थान की समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतरीन पुस्तक है।
- इस पुस्तक का अध्ययन करने के बाद रटने की प्रवृत्ति समाप्त हो जायेगी, सीखने की प्रवृत्ति का विकास होगा।
- हिन्दी व्याकरण केवल भाषा का नियम नहीं, बल्कि विचारों को स्पष्ट, सटीक और सुंदर ढंग से प्रस्तुत करने की कला है। इस पुस्तक के माध्यम से बच्चों में भाषा-प्रेम और अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना हमारा लक्ष्य है।
- विद्यार्थियों को पढ़ाने की अपेक्षा सीखना कैसे है को आधार बनाकर विद्यार्थियों की आन्तरिक शक्तियों को विकसित करके उन्हें पढ़ने की अपेक्षा सीखने की क्षमताओं का विकास करना ही मेरा ध्येय है।
- मुझे शिक्षण में सर्वेश्रेष्ठ कार्य करने के लिए राज्य स्तर राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया। मेरे जीवन में असफलता नाम की कोई सोच नहीं है। क्योंकि मैनें हिन्दी पद पर रहते हुए हिन्दी विषय का अध्ययन करवाया हिन्दी अनिवार्य, हिन्दी साहित्य जिसमें पिछले 10 वर्षों से बोर्ड परीक्षा परिणाम में कभी कोई भी विद्यार्थी अनुर्त्तीण नहीं हुआ।
- भगवान गणेशजी की कृपा, संत महादेवजी, परमात्मानंद जी, आलोक गिरी जी के आशीर्वाद से यह पुस्तक मैनें अपने माता-पिता श्रीमती विमलादेवी-श्री हरदयालराम भाम्भू, स्व.मीरा देवी-स्व.कृष्णलाल भाम्भू (बड़े माता-पिता), श्रीमती कैलाश देवी-बड़े भाई स्व. दलीप कुमार भाम्भू की प्ररेणा से विद्यार्थियों की हित हेतु लिखी है। इस पुस्तक को लिखते समय मेरी धर्मपत्नी सुमित्रा देवी पुत्र-श्रेय,देव, बहिन - नीलम, सरोज, इन्दु, शारदा एवं सुमित्रा, भतीजी- किरण, पूजा, ज्योति, मैनादेवी (भाभी) पुत्रवधू -अमन, पौत्री वेदिका, अंकित भाम्भू का सहयोग रहा।
- इस पुस्तक को लिखते समय मुझे मेरे बड़े भाई शिवप्रताप भाम्भू, हंसराज भाम्भू, मोहनलाल भाम्भू और यशपाल भाम्भू ने सहयोग दिया।

- इस पुस्तक को लिखते समय श्री सन्तोष जी राजपुरोहित (प्राचार्य, रेयान कॉलेज, हनुमानगढ़), संदीप जी भाटी (प्राचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मिर्जावाली मेर), श्री राज तिवाड़ी (चाणक्य क्लासेज, हनुमानगढ़), श्री विनोद जी पुनियां (प्राचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पीरकामड़िया), डॉ. दिनेश जाखड़ (प्राचार्य, स्वामी विवेकानन्द कॉलेज, टिब्बी), गंगा सिंह (भाम्भू सर क्लासेज, टाइपिस्ट), श्रीमती कलावती देवी (सरपंच, पीरकामड़िया), डॉ. पंकज, डॉ. ममता, अध्यापक सुमन, श्रीमती सपना भाम्भू, श्री काला सिंह, अजय बंसल, दीपक शर्मा ने विशेष योगदान दिया।

हनुमानगढ
दिनांक: 22.09.2025

सोहनलाल भाम्भू
उपप्राचार्य
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
पीरकामड़िया
राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान-2024
(B.A, M.A, B.ed. NET, SET Hindi)
प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन- SI, 3rd Grade Teacher, Senior Teacher Hindi, Lecture Hindi, Railway SI, CBI